हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, मंगलवार 14 जुलाई 2026

तापमान
अधिकतम 34.2 डिग्री
न्यूनतम 28.6 डिग्री

12 गांड़ा समाज फेडरेशन की संभाग स्तरीय बैठक में ...

12 नकटी मामले में विधायक से आवास नहीं स्वीकारने...

विरोध-प्रदर्शन : शहर के मुख्य मार्ग में निकाली गई रैली, राम मंदिर पहुंचकर कांग्रेसियों ने मांगा न्याय

राम मंदिर दान घोटाले और भाजपा-आरएसएस की चुप्पी के खिलाफ कांग्रेस ने निकाली रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

देशभर की आस्था के सबसे बड़े केंद्र, अयोध्या स्थित प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर में देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं द्वारा समर्पित किए गए दान और चढ़ावे में हुए सुनियोजित गबन व लूट के खिलाफ सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी ने सड़क पर उतरकर उग्र विरोध प्रदर्शन किया। शहर के मुख्य मार्ग में निकली रैली बाद में राम मंदिर पहुंची जहां कांग्रेसियों ने न्याय मांगा।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष एवं खल्लारी विधानसभा के विधायक द्वारकाधीश यादव के नेतृत्व में आयोजित इस विशाल विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन की शुरुआत स्थानीय कांग्रेस भवन से हुई, जहां सैकड़ों की तादाद में एकत्र हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हुजूम एक विशाल रैली के रूप में तब्दील हो गया।

विधायक द्वारकाधीश यादव के नेतृत्व में यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों और व्यस्त बाजारों से होकर गुजरी। रैली के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर मंदिर ट्रस्ट की बदनीयती, कथित वित्तीय अनियमितताओं और इस गंभीर संवेदनशील मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) तथा विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की रहस्यमयी चुप्पी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

श्रीराम मंदिर पहुंचकर किए दर्शन, न्याय की मांगी दुआ

बाजार का भ्रमण करते हुए कांग्रेस की यह रैली महासमुंद स्थित ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर पहुंची। यहां विधायक द्वारिकाधीश यादव सहित सभी वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रभु श्रीराम के दर्शन किए, पूजा-अर्चना की और देश के करोड़ों सनातनियों की आस्था को ठेस पहुंचाने वाले चेहरों के बेनकाब होने की प्रार्थना की। मंदिर दर्शन के पश्चात यह रैली पुनः शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए वापस कांग्रेस भवन पहुंचकर संपन्न हुई।

धर्म के नाम पर हो रहा व्यापार: द्वारिकाधीश

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए खल्लारी विधायक व जिला अध्यक्ष द्वारिकाधीश यादव ने कहा, प्रभु श्रीराम के प्रति देश के करोड़ों गरीबों, वंचितों और आम नागरिकों की अटूट आस्था है। लोगों ने अपनी गाढ़ी कमाई का अंश मंदिर निर्माण के लिए दान किया था। लेकिन आज उस पवित्र दान और चढ़ावे में सुनियोजित तरीके से गबन और लूट की जा रही है। सबसे शर्मनाक बात यह है कि खुद को धर्म का रक्षक बताने वाली भाजपा, आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद इस महाघोटाले पर पूरी तरह मौन हैं। उनकी यह चुप्पी साबित करती है कि इस लूट में कहीं न कहीं उनकी मूक सहमति या संलिप्तता है।

वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की रही उपस्थिति

इस विशाल रैली और विरोध प्रदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी के समस्त पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्ष, नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधि, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस, सेवा दल सहित विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, पदाधिकारी और सैकड़ों की संख्या में निष्ठावान कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे शहर में यह विरोध प्रदर्शन आज चर्चा का विषय बना रहा। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष एवं खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश यादव, पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ रश्मि चंद्राकर, सरायपाली विधायक चातुरी नंद, शहर अध्यक्ष गुरमीत चावला, जिला प्रभारी महामंत्री हरदेव ढिल्लो, जनपद अध्यक्ष केशव चंद्राकर, शहर महामंत्री निर्मल जैन, खिलावन साहू, अन्नू चन्द्राकर, लखबीर छाबड़ा, देवनाथ साहू, खेमराज सिन्हा, सेवनलाल चंद्राकर, संजय शर्मा, दाऊलाल चंद्राकर, मोहित ध्रुव, जसबीर ढिल्लो, गणेश शर्मा, गिरीश पटेल, ढेलू निषाद, सोमेश दवे, निखिलकांत साहू, अमन चंद्राकर, अमर चंद्राकर, नितेंद्र बैनर्जी, सोनम रामटेके, मोक्ष प्रधान, अंकित बागबाहरा, पार्षद मुस्ताक खान विक्की, जय देवांगन, टोमन सिंह कागजी, रिंकू चंद्राकर, सूरज नायक, तुलसी साहू, तबरेज खान, डॉ एजाज नकवी, गोपी तारक, दशोदा ध्रुव, डॉ तरुण साहू, हीरा बंजारे, गिरधर आवडे, शहबाज राजवानी, राजेश नेताम, कुनाल चंद्राकर, राहुल लालवानी, गोपी पाटकर, आरती महंती, अनीश राजवानी, मोती साहू, भोलेनाथ गंधर्व, लीलू साहू, नारायण नामदेव, जयश्री दास, कमल प्रजापति, राजू यादव, राजेश सिन्हा, गोविंद साहू, राजू साहू, बसंत चंद्राकर, मनोहर ठाकुर, रत्नेश साहू, आकाश निषाद, सुरेंद्र ठाकुर, रीमा यादव, संतोष धीवर, बिट्टू साहू, युवराज साहू, भानु सोनी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

मवेशियों का अवैध परिवहन, जुर्म दर्ज

महासमुंद। मवेशियों का अवैध परिवहन करने के मामले में बसना पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध कार्रवाई की है। पुलिस ने सूचना मिलने पर 12 जुलाई को वाहन क्र. सीजी 09 जेबी 5574 में क्रूरतापूर्वक भरा गया है, और वाहन को छोड़कर चालक कहीं चला गया था। जिस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरूद्ध मामला दर्ज कर दो रास गोवंश को बरामद किया है। मामले की रिपोर्ट गोसेवा आयोग बसना विकास खंड के अध्यक्ष नंदकिशन साव ने दर्ज कराई है।

जमीन विवाद को लेकर मारपीट

महासमुंद। जमीन विवाद के चलते मारपीट किए जाने के मामले में आरोपियों के खिलाफ बसना थाने में जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि रेमड़ा निवासी छेदीलाल परमार अपने साथी गोवर्धन बारिक के साथ 9 जुलाई को बाइक से घर जा रहा था। गांव के नवीन बाघ के घर के पास पहुंचने पर नवीन बाघ व प्रवीण बाघ की पत्नी अनीता बाघ वहां पर आ गये और जमीन विवाद की पुरानी रंजिश को लेकर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मारपीट किया। मामलेकी रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 351(3) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

बाइक से गिरे युवक के साथ मारपीट

महासमुंद। ग्राम बेलसोंडा में बाइक से गिरे युवक के साथ मारपीट के मामले में आरोपी के विरूद्ध सिटी कोतवाली थाने में अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि 12 जुलाई की शाम 6 बजे बेलसोंडा का गैंदलाल चंद्राकर बाइक से अपने घर जा रहा था। इसी दौरान गौरव जांगड़े अपनी बाइक को प्रार्थी की बाइक की ओर ले गया, जिससे दोनों गिर गए। इसी दौरान गौरव जांगड़े ने गैंदलाल के पीठ में मुक्का मार दिया और गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने लगा। मामले की रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 351(3) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया गया है।

गांजा तस्करी गैंग का मास्टर माइंड मध्यप्रदेश से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

कपड़ा बेचने की आड़ में गांजा की तस्करी किए जाने के मामले में पुलिस ने मध्यप्रदेश के सतना से इस प्लान के मास्टर माइंड आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 215 किलो गांजा जब्ती के इस मामले में अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामले में आरोपियों के विरूद्ध बसना थाने में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन तथा बिक्री के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत लगातार चेकिंग व कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में, 'इंड टू इंड इन्वेस्टिगेशन' और 'फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन' पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना बसना पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करों के एक बड़े नेटवर्क पर शिकंजा कसा गया है। मामले को लेकर पुलिस ने बताया कि 10.05.2026 को थाना बसना पुलिस को मुखबिर सूचना पर पदमपुर (ओडिशा) की ओर से कतार में बसना की ओर आ रही 5 मोटरसाइकिलों की घेराबंदी कर पकड़ा गया था। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने अपनी बाइकों की पिछली सीट पर लोहे का एक विशेष जाला (कंपार्टमेंट) बनवाया था, जिसमें 215 किलो गांजा छिपा कर रखा गया था और ऊपर से चारों ओर कपड़ा बांधकर वे फेरीवाले (स्ट्रीट वेंडर्स) होने का दिखावा कर रहे थे। मौके से 5 तस्करों को गिरफ्तार कर ओडिशा के बालिगुड़ा से लाया जा रहा करोड़ों का गांजा जब्त किया गया था। पकड़े गए 5 आरोपियों के मेमोरेंडम कथनों और तकनीकी साक्ष्यों (सीडीआर व मोबाइल डेटा बैंक डिटेल) के गहन विश्लेषण से पुलिस को अहम सुराग मिले। जांच में स्पष्ट हुआ कि इस पूरे गैंग का संचालन अशोक सिंह नामक व्यक्ति कर रहा था। वह अपने मोबाइल का उपयोग कर मुख्य सप्लायर किशन के साथ मिलकर इस अवैध खेप की पायलेटिंग कर रहा था, साथ ही बालिगुडा (ओडिशा) के गांजा तस्करों को एडवांस पेमेंट व अन्य वित्तीय लेन-देन करने हेतु उसने अपनी पत्नी पूजा के बैंक खाते का इस्तेमाल किया था। इस इनपुट के आधार पर थाना बसना पुलिस की एक विशेष टीम मध्य प्रदेश भेजी गई।

मोबाइल लोकेशन और तकनीकी इनपुट्स के आधार पर 10-07-2026 को मुख्य आरोपी अशोक सिंह को सतना (म.प्र.) के कोतवाली थाना क्षेत्र से धर दबोचा गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। थाना बसना पुलिस टीम ने न्यायालय सतना (म.प्र.) से आरोपी का ट्रांजिट रिमांड प्राप्त किया गया है।

जुआ खेल रहे आठ लोगों पर पुलिस ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

ग्राम पठियापाली तालाब के मेड़ में जुआ खेल रहे आठ लोगों के खिलाफ बसना पुलिस ने कार्रवाई की है। आरोपियों के कब्जे से नगदी व बाइक बरामद किया गया है।

पुलिस ने बताया कि पेट्रोलिंग के दौरान ग्राम पठियापाली तालाब का मेड़ महुआ पेड़ के नीचे कुछ लोगों द्वारा ताश खेले जाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पुरूषोत्तम जगत पिता रामचरण (36 साल) पठियापाली थाना बसना, अंतर्यामी भोई पिता हेमसागर भोई (40 साल) हबेकांटा थाना बसना, ललित दास पिता नंदु दास (34 साल) पीपलखुंटा थाना बसना, हीरादास मानिकपुरी पिता जगदीश (28 साल) पीपलखुंटा थाना बसना, संतोष दास पिता प्रेमदास (40 साल) पीपलखुंटा थाना बसना, राजकुमार सुरलिया पिता विजय सुरलिया (34 साल) बिटांगीपाली थाना बसना, धनेश नाग पिता जलसिंग नाग (37 साल) पठियापाली थाना बसना, अजय साव पिता हेमलाल साव (38 साल) चिर्राचुआं थाना बसना को गिरफ्तार किया। इस दौरान आरोपियों के कब्जे से नगदी रकम 8050 रुपए, 04 नग मोटर सायकल कीमती 60,000 रुपए कुल 68,050 रुपए को बरामद किया गया। मामले में आरोपियों के विरूद्ध धारा 3 (2) छग जुआ प्रतिषेध अधि. 2022, 112(2) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई।

अवैध पार्किंग और यात्री बसों के बीच सड़क पर रुककर सवारी भरने से प्रतिदिन बन रही जाम की स्थिति

अतिक्रमण और सड़क पर खड़े वाहनों से बढ़ा हादसे का खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

■ समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो कभी हो सकता है बड़ा हादसा

राष्ट्रीय राजमार्ग-353 स्थित बेलसोंडा रेलवे फाटक के सामने लगातार बढ़ते अतिक्रमण और अव्यवस्थित यातायात ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क तक बढ़ते कब्जे, अवैध पार्किंग और यात्री बसों के बीच सड़क पर रुककर सवारी भरने से यहां प्रतिदिन जाम की स्थिति और दुर्घटना की संभावनाएं बनी रहती है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की, तो यहां कभी भी बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। जानकारी के अनुसार, रेलवे फाटक के सामने स्थित कुछ दुकानदारों ने अपनी दुकानों के शेड और सामान का विस्तार सड़क की ओर कर दिया है। इसके कारण ग्राहकों की दोपहिया और चारपहिया वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग पर ही खड़े रहते हैं, जिससे पहले से संकरी हो चुकी सड़क और बाधित हो जाती है। व्यस्त समय में भारी वाहन, यात्री बसें और अन्य वाहन एक साथ गुजरने का प्रयास करते हैं, जिससे यातायात पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो जाता है।

नागरिकों ने बताया कि रेलवे प्रशासन ने जाम की समस्या को कम करने के उद्देश्य से यहां दो रेलवे फाटक बनाए थे। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने यातायात को व्यवस्थित करने डिवाइडर का निर्माण कराया, लेकिन डिवाइडर बनने के बाद सड़क की उपयोगी चौड़ाई पहले ही कम हो चुकी है। ऐसे में बढ़ते अतिक्रमण और सड़क पर खड़े वाहनों ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। रेलवे फाटक बंद होने पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। फाटक खुलते ही सभी वाहन एक साथ निकलने की कोशिश करते हैं, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। कई बार आमने-सामने वाहन फंस जाने से लंबा जाम लग जाता है और दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।समस्या का एक बड़ा कारण यात्री बसों का रेलवे क्रॉसिंग के ठीक पहले सड़क पर बस रोककर सवारी भरना भी है। बसों के रुकते ही पीछे वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। कई बार बस चालकों और अन्य वाहन चालकों के बीच रास्ता देने को लेकर विवाद की स्थिति भी बन जाती है। इससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित होती है और हादसे का खतरा बना रहता है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पुलिस एवं संबंधित विभाग से बेलसोंडा रेलवे फाटक के सामने अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने, सड़क किनारे होने वाली अवैध पार्किंग पर रोक लगाने तथा बसों के लिए निर्धारित स्थान पर ही सवारी चढ़ाने-उतारने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

हजारों शिक्षकों ने सांसद के समक्ष रखी अपनी बात, छग सहायक शिक्षक फेडरेशन का आयोजन

ऐतिहासिक कार्यक्रम: सांसद-शिक्षक संवाद में गूंजी टीईटी अनिवार्यता की पीड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के तत्वावधान में रविवार को शंकराचार्य भवन में आयोजित सांसद-शिक्षक संवाद कार्यक्रम ऐतिहासिक बन गया। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद रूपकुमारी चौधरी की उपस्थिति में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से हजारों शिक्षक एकत्रित हुए और टीईटी अनिवार्यता से उत्पन्न अपनी चिंताओं एवं समस्याओं को खुलकर साझा किया।

सभी शिक्षकों के विचारों को गंभीरतापूर्वक सुनने के पश्चात अपने उदबोधन में मुख्य अतिथि के आसंदी से रूपकुमारी चौधरी ने सभी शिक्षकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं एवं मांगों को उचित मंच तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की भावनाओं और उनके योगदान का सम्मान किया जाना चाहिए। इस विषय पर संबंधित स्तर पर सकारात्मक पहल करने का प्रयास किया जाएगा। सांसद ने कहा कि शिक्षक अपने ज्ञान के दीपक से डॉक्टर, इंजीनियर, न्यायाधीश, पुलिस, विधायक, सांसद सभी बनाते हैं और इससे बड़ा शिक्षक समाज एक अच्छा इंसान बनाने का कार्य करता है। मैंने आप सभी के विचारों को गंभीरता से सुना है और लंबे समय से शिक्षा विभाग में सेवा दे रहे शिक्षकों के अनुभव को एक परीक्षा से आंकना व्यवहारिक नहीं है, इस पर मैं अपनी पूरी बात सेवा सदन में रखूंगी। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला अध्यक्ष ईश्वर चंद्राकर के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद सेवाकालीन शिक्षकों में गहरी चिंता और मानसिक तनाव का वातावरण है। उन्होंने बताया कि जिन शिक्षकों की नियुक्ति उस समय हुई थी, जब न तो शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हुआ था और न ही टीईटी परीक्षा अस्तित्व में थी, उन्होंने उस समय की सभी वैधानिक योग्यताओं को पूरा कर विधिवत नियुक्ति प्राप्त की थी। ऐसे शिक्षकों पर वर्षों बाद टीईटी अनिवार्यता लागू होना न्यायसंगत नहीं है।

संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राठौर ने कहा कि किसी सांसद द्वारा हजारों शिक्षकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सीधे सुनना लोकतंत्र की सशक्त मिसाल है। उन्होंने कहा कि टीईटी अनिवार्यता को लेकर शिक्षक भय, असमंजस और मानसिक दबाव में हैं तथा इस विषय का संवेदनशील एवं न्यायपूर्ण समाधान आवश्यक है। इसी क्रम में सिराज बक्श ने कहा कि सामान्यतः देश में कानून बनने के बाद लागू होते हैं, लेकिन सेवाकालीन शिक्षकों के मामले में बाद में बने प्रावधानों का प्रभाव पूर्व नियुक्तियों पर डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह उन शिक्षकों के साथ न्याय नहीं है जिन्होंने अपने नियुक्ति काल के सभी नियमों का पालन करते हुए वर्षों तक निष्ठापूर्वक सेवा दी है।

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक टेकराम सेन ने कहा कि एक शिक्षक के सालों का अनुभव एक पात्रता परीक्षा से कैसे मापा जा सकता है। शिक्षा के अधिकार अधिनियम कानून में संशोधन कर सेवारत शिक्षकों को टेट की अनिवार्यता से पूरी तरह से मुक्त किया जाना चाहिए। संवाद के दौरान अनेक शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे वर्षों से विद्यार्थियों के हित में समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं, लेकिन टीईटी अनिवार्यता के कारण उनका भविष्य अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने सांसद का आभार व्यक्त करते हुए आशा जताई कि उनकी पीड़ा संसद तक पहुंचेगी और सेवा कालीन शिक्षकों के हित में सकारात्मक समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता सांसद रूपकुमारी चौधरी को संगठन की तरफ से स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता संदीप दीवान, युवाध्यक्ष अमन वर्मा, अनुज पांडे भी उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन प्रदेश प्रवक्ता हुलेश चंद्राकर एवं कार्यक्रम का संचालन जिला अध्यक्ष ईश्वर चंद्राकर ने किया।

इस अवसर पर शिक्षक संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उमेश भारती गोस्वामी, धमतरी जिला अध्यक्ष दौलत राम ध्रुव, प्रदेश पदाधिकारी राजा राम पटेल, प्रदीप पटेल, आदित्य गौरव साहू, सिराज बक्श, जिला सचिव विनय यादव, बीपी मेश्राम, महेंद्र बघेल, ब्लॉक अध्यक्ष द्वय बाबूलाल ध्रुव, कमलेश नायक, प्रकाश बघेल, शरण दास, महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष दीपाली वर्मा, महिला प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्षद्वय मुनिया निर्मलकर, रश्मि चंद्राकर, जिला उपाध्यक्ष सीमा यादव, पुरुषोत्तम चंद्राकर विजय राजपूत, मीडिया प्रभारी बलराम नेताम, अमित उइके, नूतन दुबे, लीना पांडे, लीना चंद्राकर, सुनीता ध्रुव, गोमती साहू, विद्या वर्मा, प्रतिभा साहू समेत बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित थे। उक्त जानकारी जिला सचिव विनय यादव और जिला मीडिया प्रभारी बलराम नेताम ने दी है।

धारदार हथियार लहराकर दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार

महासमुंद। सरायपाली पुलिस ने क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ एक सख्त और त्वरित कार्रवाई की है। सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लहराकर आम जनता को डराने-धमकाने वाले एक 22 वर्षीय युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा। पुलिस को 13 जुलाई को सूचना मिली कि ओम अस्पताल सरायपाली के पास अतुल प्रधान पिता राजेंद्र प्रधान (22 वर्ष) ब्लॉक कॉलोनी सरायपाली आम रास्ते में धारदार लोहे का चाकू लहराकर लोगों को डरा धमका रहा है। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने आरोपी को धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा।

खबर संक्षेप

108 मुनि आगम सागर महाराज का 19 जुलाई को होगा मंगल प्रवेश

रायपुर। लगभग 18 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद रायपुरवासियों को मुनि संघ सानिध्य का पावन वर्षायोग विद्यावंशी चातुर्मास 2026 के रूप में मिलने जा रहा है। आचार्य भगवन 108 विद्यासागर महाराज की प्रेरणा और वर्तमान आचार्य समय सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से, 108 मुनि आगम सागर महाराज ससंघ सानिध्य का 'विद्यावंशी चतुर्मास 2026' अब श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, मालवीय रोड में सुनिश्चित हो गया है। दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर के मैनेजिंग ट्रस्टी नरेंद्र जैन गुरुकृपा एवं अध्यक्ष संजय नायक जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन के अंतर्गत, मुनि 108 आगम सागर महाराज का भव्य मंगल प्रवेश आगामी 19 जुलाई को संपन्न होगा। इस अविस्मरणीय दिन को भव्य रूप देने हेतु समाज द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इस विद्यावंशी चतुर्मास 2026 महा-अनुष्ठान को व्यवस्थित रूप देने के लिए रविवार को सुबह 9 बजे विद्यासागर हॉल, मालवीय रोड में सकल दिगंबर जैन समाज की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक रखी गई।

चिकित्सा शिक्षा संचालनालय में प्रशासनिक अधिकारी, विरोध शुरू

रायपुर। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय में अपर संचालक के पद पर गैर चिकित्सकीय अधिकारी की नियुक्ति के खिलाफ विभिन्न संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। तर्क दिया गया है कि चिकित्सा शिक्षा एक अत्यंत विशिष्ट, तकनीकी एवं विशेषज्ञता आधारित क्षेत्र है। इस विभाग में लिए जाने वाले नीतिगत एवं प्रशासनिक निर्णय सीधे प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों, चिकित्सा शिक्षकों, रेजिडेंट डॉक्टरों, इंटर्न चिकित्सकों तथा लाखों मरीजों की स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित करते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण तकनीकी पदों पर अनुभवी एवं योग्य चिकित्सकों की नियुक्ति होना चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता, प्रभावी नेतृत्व तथा पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया के लिए अत्यंत आवश्यक है। उपाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार यादव ने शीर्ष तकनीकी पदों पर चिकित्सकों के स्थान पर गैर-चिकित्सकीय अधिकारियों की नियुक्ति से नीति निर्माण एवं निर्णय प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका जताई है।

आईएमए की पहल कुपोषण मुक्ति का संकल्प

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कुपोषण मुक्ति का संकल्प अब एक जन-आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। मुख्यमंत्री के मंशानुरूप और कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की संयुक्त पहल ने सारंगढ़ विकासखंड में उम्मीद की एक नई किरण जगाई है। हाल ही में आयोजित एक विशेष स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से न केवल 30 कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, बल्कि उनके पूर्ण रूप से स्वस्थ होने तक की जिम्मेदारी भी उठाई गई है। यह कहानी शासकीय संकल्प और सामाजिक सहभागिता के उस बेहतरीन समन्वय की है, जो राज्य के लिए एक मिसाल बन रही है।

दो दिवसीय जसगीत और झांकी प्रतियोगिता 18 से

रायपुर। जय मां चण्डी सेवा एवं फाग मंडली द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्रमांक 61 भाठागांव श्रीराम चौक, साहूपारा में शांति हवन एवं जंवारा विसर्जन के अवसर पर 16 जुलाई को धार्मिक आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में दो दिवसीय 18 से 19 जुलाई तक राज्य स्तरीय जसगीत एवं झांकी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता का विषय मनमोहंद रखा गया है। प्रतियोगिता में प्रदेशभर की जस मंडलियां एवं कलाकार पुरुष वर्ग, महिला वर्ग तथा झांकी वर्ग में अपनी प्रस्तुति देंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रवेश शुल्क 151 निर्धारित किया गया है। इस आयोजन को सफल बनाने में अनित साहू, एमसा साहू, पुन्नू साहू, लच्छू साहू, लाला साहू, नारायण साहू, गोलू साहू, ईश्वर साहू, मुकेश साहू, मनोज साहू, अजय साहू, रोहित साहू आदि लगे हुए हैं।

उम्र नहीं.. हौसले की जीत, तिलक ने तैराकी में जीते दो स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

उम्र को अक्सर सीमाओं से जोड़ा जाता है, लेकिन पतंजलि योग समिति के राज्य कार्यकारिणी सदस्य तिलक चंद साव ने यह साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प, नियमित अभ्यास और आत्मविश्वास के सामने उम्र कोई बाधा नहीं होती। भिलाई में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रांत स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में उन्होंने 62 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में बटरफ्लाई और बैकस्ट्रोक दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर जिले और प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया।

इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच तिलक चंद साव ने अपने लंबे अनुभव, अनुशासित दिनचर्या और निरंतर अभ्यास के बल पर दोनों स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनका यह प्रदर्शन न केवल खेल प्रतिभा का परिचायक है, बल्कि जीवन के हर चरण में सक्रिय और स्वस्थ रहने का प्रेरक संदेश भी देता है। तिलक चंद साव, 62 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ खिलाड़ी हैं। उन्होंने भिलाई में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रांत स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में बटरफ्लाई और बैकस्ट्रोक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से खिलाड़ियों ने भाग लिया था। तिलक चंद साव की यह उपलब्धि समाज के लिए एक प्रेरक संदेश है कि स्वास्थ्य, अनुशासन और नियमित योग को जीवन का हिस्सा बनाकर किसी भी उम्र में नई ऊंचाइयों को छुआ जा सकता है। उनका यह उदाहरण युवाओं के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों को भी सक्रिय जीवनशैली अपनाने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करता है। उनकी इस उल्लेखनीय सफलता पर नरेश मोरयानी, छन्नू साहू, भारत स्वाभिमान न्यास के जिला अध्यक्ष रमेश चंद्र राय, केशव देवांगन, रश्मि चंद्राकर, प्रीति साहू, शुशील राज, तोषण, मेघा, पूनम, नीतू, सुमति, मनीष शर्मा, मनकूराम रौतिया, अमर, खुलेश्वरी ने हर्ष जताया है।

सतनामी समाज ने की जिले में पहली सामाजिक लाइब्रेरी की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज की जिला स्तरीय बैठक बागबाहरा के सुनसुनिया सामाजिक भवन में जिलाध्यक्ष विजय बंजारे की अध्यक्षता में रखा गया। बैठक में पे बेक सोसायटी के सौजन्य से जिला में पहली सामाजिक लाइब्रेरी की शुरुआत की गई। जिसका संचालन शिक्षा प्रकोष्ठ बागबाहरा द्वारा किया जाएगा। लाइब्रेरी में अभी शुरुआती दौर पर भारतवर्ष में जन्मे महापुरुषों, संतों की जीवनी व उनके द्वारा लिखित ऐतिहासिक पुस्तकों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें रखी गई है। जिलाध्यक्ष बंजारे ने शिक्षा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को प्रचार प्रसार करने व छात्रों, नौकरी पेशा लोगों के साथ ही युवाओं, महिलाओं को नियमित रूप से लाइब्रेरी से पुस्तक पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की।

बैठक में महासमुंद, बागबाहरा, पिथौरा, बसना ब्लॉक की निर्वाचन कराने के लिए गांव-गांव में सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। साथ ही शिक्षा प्रकोष्ठ द्वारा प्रत्येक ब्लॉक में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं की सूची तैयार कर सम्मान समारोह रखने पर भी सहमति बनी। बैठक में समाज विकास के लिए विभिन्न रचनात्मक कार्य करने के लिए निर्णय पारित किया गया। बैठक में प्रमुख रूप से विजय बंजारे जिला अध्यक्ष, चिंता साय जिला उपाध्यक्ष, रेखराम बघेल सचिव, राजेन्द्र कुमार मार्कंडेय प्रवक्ता, सोमनाथ टोंडेकर मीडिया प्रभारी, जिला कार्यकारिणी सदस्यों में सेतलाल खुंटे, पवन कुमार घृतलहरे, हेमन कुमार ढीढी, हरक मन्नाडे, ब्लॉक अध्यक्षों में चित्र कुमार भारती महासमुंद, तरुवर कोसरिया पिथौरा, शिक्षा प्रकोष्ठ से राजेश रात्रे जिलाध्यक्ष, महेंद्र बंजारे बागबाहरा अध्यक्ष, राधेश्याम परमार, राधेश्याम निराला, चिंता कुर्रे, भूपेंद्र निराला, बालकदास कोसरे, युवा प्रकोष्ठ से तेजराम चौलिक जिलाध्यक्ष, मुकेश मधुकर पिथौरा ब्लॉक अध्यक्ष उपस्थित रहे।

अंतागढ़-रायपुर डेमू, झारसुगुड़ा मेमू भी महीनों से रुला रहीं

लेटलतीफी का रिकार्ड तोड़ रहीं दर्जनों ट्रेनें सारनाथ और शालीमार की शिकायत ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर से गुजरने वाली ट्रेनों के लगातार विलंब से चलने के कारण यात्रियों की परेशानी बढ़ती जा रही है। ट्रेनों की लेटलतीफी को लेकर हर दिन सोशल मीडिया पर दर्जनों शिकायतें दर्ज हो रही हैं। रेल अधिकारियों की ओर से यदा-कदा ट्रेनों को समय पर चलाने के निर्देश दिए जाते हैं, लेकिन इसका असर ट्रेनों के परिचालन में नजर नहीं आ रहा है। न तो ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाई जा रही है और न ही वे निर्धारित समय पर गंतव्य तक पहुंच पा रही हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और इससे जुड़े रेलमार्गों पर चलने वाली कई ट्रेनों की लेटलतीफी अब आम हो गई है। पिछले एक सप्ताह के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर यात्रियों ने रेल मंत्रालय, रेलवे सेवा, डीआरएम रायपुर, डीआरएम बिलासपुर समेत रेलवे के अन्य अधिकारियों को टैग करते हुए ट्रेनों के घंटों देर से चलने की शिकायतें दर्ज कराईं। रोजाना हजारों यात्री बिलासपुर, भिलाई, दुर्ग और राजनांदगांव से रायपुर आते-जाते हैं।

लोकल ट्रेनों के विलंब का असर अब एक्सप्रेस ट्रेनों पर भी दिखाई देने लगा है। हरिभूमि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दर्ज शिकायतों की पड़ताल की तो यह तथ्य सामने आया कि केवल एक महीने में ही ट्रेनों के समय पर नहीं पहुंचने को लेकर 70 से अधिक शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। वहीं सप्ताहभर में ही शिकायतों की संख्या 15 से 20 तक पहुंच रही है।

ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्रियों की बढ़ी परेशानी

ये ट्रेनें चल रहीं लेट

ट्रेनों की लेटलतीफी से नौकरीपेशा लोगों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र भी परेशान हैं। सबसे अधिक शिकायतें सारनाथ एक्सप्रेस को लेकर सामने आई हैं। इसके अलावा गोंडवाना एक्सप्रेस, अंतागढ़–रायपुर डेमू, झारसुगुड़ा मेमू, शालीमार–एलटीटी एक्सप्रेस, दुर्ग–पुरी एक्सप्रेस, बिलासपुर सुपरफास्ट इंटरसिटी, गीतांजलि एक्सप्रेस, मुंबई सीएसएमटी एक्सप्रेस, अमरकंटक एक्सप्रेस, ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस और आजाद हिंद एक्सप्रेस भी अक्सर विलंब से रायपुर पहुंच रही हैं। लगातार विलंब से चलने के कारण यात्रियों का समय बर्बाद हो रहा है और स्पेशल ट्रेनों में अतिरिक्त किराया देने के बावजूद अपेक्षित सुविधा नहीं मिल पा रही है।

महीनेभर में ट्रेनों के विलंब को लेकर 70 से ज्यादा शिकायतें

मुंबई और नागपुर रूट की ट्रेनें सबसे अधिक प्रभावित

रायपुर से बिलासपुर की ओर जाने वाली ट्रेनों की स्थिति सुबह से ही प्रभावित रही। वहीं दुर्ग-नागपुर रूट पर चलने वाली ट्रेनों में सबसे अधिक देर दर्ज की गई। मुंबई रूट से आने वाली कई ट्रेनें भी घंटों विलंब से पहुंचीं। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों का कहना है कि ट्रेनों के लगातार लेट होने से उनका पूरा यात्रा कार्यक्रम प्रभावित हो रहा है।

हसदेव, अंबिकापुर-साउथ बिहार एक्सप्रेस बनीं भरोसेमंद

जहां कई ट्रेनें लगातार विलंब से चल रही हैं, वहीं कुछ ट्रेनें अभी भी समय अनुसार अपनी चाल बनाए हुए हैं। रायपुर पहुंचने वाली हसदेव एक्सप्रेस, अंबिकापुर एक्सप्रेस, साउथ बिहार एक्सप्रेस और छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस निर्धारित समय पर चल रही हैं। हसदेव एक्सप्रेस प्रतिदिन सुबह 10.30 बजे कोरबा से रायपुर पहुंचती है और पिछले कई महीनों से इसके विलंब से चलने की शिकायत नहीं मिली है। इसके अलावा समता, संपर्क क्रांति, बीकानेर एक्सप्रेस और दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस भी दोनों दिशाओं में समय पर पहुंच रही हैं, जिससे यात्रियों के बीच इन ट्रेनों ने भरोसा कायम रखा है।

रथयात्रा स्पेशल आठ घंटे से ज्यादा लेट, यात्रियों की छूटी फ्लाइट: *पुरी रथयात्रा के अवसर पर चलाई गई 08802 पुरी-गोंदिया रथयात्रा स्पेशल यात्रियों के लिए राहत के बजाय परेशानी का कारण बन गई। यह ट्रेन अपने निर्धारित समय से करीब साढ़े आठ घंटे देर से रायपुर पहुंची। ट्रेन में पेंट्रीकार नहीं होने के कारण यात्रियों को खाने-पीने की परेशानी भी झेलनी पड़ी। ट्रेन पुरी से दोपहर 1 बजे के बजाय शाम 4.36 बजे रवाना हुई। इसके बाद संबलपुर पहुंचते-पहुंचते करीब 7 घंटे लेट हो गई। टिटलागढ़ स्टेशन पर भी ट्रेन करीब चार घंटे तक खड़ी रही।*

एक्स पर ट्रेन को लेकर शिकायतें

18426 दुर्ग–पुरी एक्सप्रेस
- लगभग हर दिन 2 से 3 घंटे देरी से चल रही है।

78816 अंतागढ़–रायपुर डेमू
- सुबह 8 बजे छूटने वाली ट्रेन 8.15 बजे तक भी रवाना नहीं हुई।

12409 गोंडवाना एक्सप्रेस
- रायगढ़ समय पर पहुंचाने के लिए परिचालन में सुधार करें।

18030 शालीमार–एलटीटी एक्सप्रेस
- तीन घंटे से ज्यादा लेट, मालगाड़ियों को प्राथमिकता मिलने का आरोप।

12856 रायपुर–बिलासपुर सुपरफास्ट इंटरसिटी
- सुपरफास्ट का किराया, लेकिन रफ्तार लोकल ट्रेन जैसी।

08802 पुरी–गोंदिया रथ यात्रा स्पेशल
- रायपुर पहुंचते-पहुंचते करीब 10 घंटे लेट।

68706 मेमू
- छह महीने से लगातार 2-3 घंटे देरी से चल रही है।

15159 ट्रेन
- छह घंटे लेट होने से परीक्षा देने में परेशानी हुई।

ओडिशा रूट की ट्रेन
- 3 से 5 घंटे की देरी और टिकट रद्द करने पर अधिक कटौती की शिकायत।

पारिवारिक कलह से की खुदकुशी ससुराल-पुलिस पर प्रताड़ना के आरोप

खुदकुशी के पूर्व मृतक का बनाया वीडियो वायरल

फर्जी पुलिस बनकर वसूली करने की शिकायत पर हुई थी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खमतराई थाना क्षेत्र में 10 दिन पूर्व 3 जुलाई को खुदकुशी के पूर्व युवक ने थाना प्रभारी, क्राइम बीट के सिपाही तथा अपने ससुराल वालों के खिलाफ प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। इस संबंध में खमतराई टीआई का कहना है कि मृतक तथा उसके एक साथी के खिलाफ दिसंबर में फर्जी पुलिस बनकर लोगों से वसूली करने की शिकायत मिलने पर प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई थी। महेश दास ने 3 जुलाई को खुदकुशी की थी। खुदकुशी के पूर्व उसने मोबाइल से वीडियो बनाकर खमतराई थाने का तत्कालीन टीआई राजेश सिंह तथा सिपाही बंटी सिंह उर्फ प्रदीप यादव, अपनी पत्नी तथा ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए खुदकुशी करने की बात कही थी।

मृतक की बहन रवीना सौम्या मानिकपुरी ने आरोप लगाया है कि उसके भाई को उसकी पत्नी तथा ससुराल वाले प्रताड़ित करते थे। साथ ही महेश पर पत्नी को तलाक देने दबाव बनाते थे। मृतक की बहन ने बताया कि महेश का ढाई साल का बेटा है। ससुराल वाले महेश को अपने बेटे से मिलने नहीं देते थे। महेश के ससुराल वालों ने टीआई तथा सिपाही के साथ मिलकर उसके भाई को प्रताड़ित किया, इस कारण उसके भाई ने खुदकुशी कर ली।

पुलिस ने कहा-वसूली प्रकरण में की थी कार्रवाई

पुलिस के अनुसार, महेश तथा उसका साथी गौरी तथा एक अन्य नकली पुलिस बनकर वसूली करते थे। वे किराए की कार लेकर खमतराई थाने के आसपास खड़े रहते थे। थाने में कोई रिपोर्ट दर्ज कराने आता था तो वे फरियादी का थाने से निकलने तक इंतजार करते थे। इसके बाद संबंधित पीड़ित से केस सेटलमेंट कराने के नाम पर पैसों की मांग करते थे। इस मामले में महेश तथा गौरी के खिलाफ दिसंबर में प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई थी। बावजूद इसके पुलिस खुदकुशी प्रकरण की नए सिरे से जांच करने की बात कह रही है।

आजादी की लड़ाई में मुखबिरी हो या राम मंदिर में चोरी, एक ही दल पर आरोप क्यों?: अंकित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

राम मंदिर के चढ़ावा और चंदा चोरी के मामले को लेकर कांग्रेस नेता अंकित बागबाहरा ने कहा है कि श्रीराम के प्रति अपार आस्था, प्रेम, भक्ति के उलट इस दोहे को वीएचपी, आरएसएस, भाजपा ने मात्र चुनावों में वोट का और मंदिर में चोरी का साधन और देश मे वैमनस्यता फैलाने का साधन बना लिया है।

इसकी शुरुआत 1985 में वीएचपी ने राममंदिर न्यास का गठन किया और 1989 से चंदा इकट्ठा करना शुरू किया, उस समय की 1250 सोने, चांदी, हीरे, सोने जड़ित ईंटें, चंदा मिलाकर लगभग 1300 करोड़ का हिसाब गायब है। राम मंदिर के लिए 9 नवंबर 2019 का फैसला सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों ने दिया, जिसमें 2.77 एकड़ की जमीन रामलला जन्मभूमि के लिए सौंपने कहा। जिसमें शंकराचार्य अविमुक्तेश्वर स्वामी द्वारा दिए तथ्यों ने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया।

अंकित ने कहा कि अयोध्या धर्म नगरी है और भाजपा उसे पर्यटन नगरी बनाने में तुली है। एक मंदिर में भ्रष्टाचार कर राम कोट की जद में आए 105 एकड़ भूमि में सैकड़ों मंदिर तोड़े गए और तो और हनुमान गढ़ी का सिंहद्वार भी तोड़ दिया गया। दिल्ली में झंडेवाले इलाके में आरएसएस कार्यालय के लिए 1400 साल पुराना मंदिर तोड़ दिया गया।

अंकित ने कहा कि राम मंदिर चंदे मामले में पहली कार्रवाई कोषाध्यक्ष के ऊपर होनी चाहिए, चंपत राय पर होनी चाहिए, जबकि उन्हें बचाया जा रहा है।

चंदा चोरी के लिए बनाई गई एसआईटी चीफ विजय विश्वास पंत को बनाया गया, जिनके ऊपर धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। चंपत राय की जगह बनाए गए बजरंग लाल बागरा के ऊपर नाल्को में घोटाले करने का आरोप है।

द्वितीय परीक्षा के परिणाम नहीं आए संकाय चयन सहित दाखिले भी अटके

रायपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा बोर्ड परीक्षा का तनाव कम करने के लिए बीते सत्र से बड़ा बदलाव किया गया था। अब 10वीं की बोर्ड परीक्षाएं साल में 2 बार आयोजित की जा रही हैं। इस नए नियम के तहत, पहली मुख्य परीक्षा के नतीजे 15 अप्रैल को ही जारी कर दिए गए थे। जो बच्चे अपने नंबरों से संतुष्ट नहीं थे या किसी वजह से बेहतर प्रदर्शन करना चाहते थे, उनके लिए 15 मई से 31 मई के बीच दूसरी बोर्ड परीक्षा आयोजित की गई। देशभर से 6.8 लाख से अधिक स्टूडेंट्स ने सीबीएसई 10वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षा दी थी। परीक्षा खत्म हुए लगभग दो माह हो चुके हैं, लेकिन अब तक इसके परिणाम घोषित नहीं किए जा सक हैं। छात्र सीबीएसई 10वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। इसके कारण छात्र और अभिभावक परेशान हैं। नतीजे जारी न होने की वजह से सबसे बड़ा असर ग्यारहवीं कक्षा के प्रवेश पर पड़ रहा है। छात्र असमंजस में हैं कि उन्हें आगे कौन सी स्ट्रीम मिलेगी और वे नए सेशन की पढ़ाई कब शुरू कर पाएंगे।

अंतिम अंकसूची के बगैर दाखिले नहीं : सबसे पहली समस्या स्ट्रीम सिलेक्शन की है। ग्यारहवीं कक्षा में साइंस, कॉमर्स या आर्ट्स में दाखिले दसवीं कक्षा के अंकों के आधार पर ही मिलते हैं। जब तक फाइनल रिजल्ट नहीं आता, तब तक छात्रों का संकाय निर्धारित नहीं हो सकेगा। अंकों की जानकारी नहीं होने के कारण विद्यार्थी किसी भी संकाय में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं।

पुराने मीटरों की रीडिंग को स्मार्ट झटका 35 से 40 दिनों की हो रही बिलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्मार्ट मीटर से सीधी रीडिंग के कारण अब पुराने मीटर वाले उपभोक्ताओं की आफत हो गई है। स्मार्ट मीटर की बीते दो माह से कंट्रोल रूम से रीडिंग करके उपभोक्ताओं को उनके मोबाइल पर ही बिल भेजा जा रहा है।

यह व्यवस्था अच्छी है, लेकिन इसके कारण पुराने मीटर के उपभोक्ता परेशानी में पड़ गए हैं। पहले रीडरों को एक तारीख से पहले डीसी सेंटरों से रीडिंग का डाटा मिल जाता था, लेकिन अब एक सप्ताह विलंब से डाटा मिलने के कारण रीडिंग विलंब से प्रारंभ हो रही है। ऐसे में 35 से 40 दिनों की बिलिंग हो रही है जबकि नियम से 30 दिनों की बिलिंग होनी चाहिए। इसकी वजह से बिल जमा करने के लिए समय भी कम मिल रहा है। प्रदेश में स्मार्ट मीटर लगने का काम चल रहा है। इस बीच अब तक जिन करीब 40 लाख उपभोक्ताओं के कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, उनके मीटरों की रीडिंग सीधे कंट्रोल रूम से करने का काम बीते माह से प्रारंभ किया गया है।

रीडरों को एक सप्ताह विलंब से मिल रहा डाटा

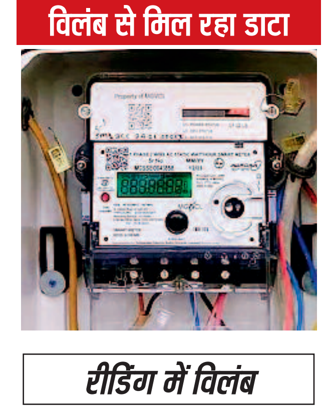

रीडिंग में विलंब

स्मार्ट मीटर की बिलिंग 6 से 7 तारीख को होने के कारण पुराने मीटरों की रीडिंग करने वाले रीडरों को डीसी सेंटरों से 8 तारीख को डाटा मिल रहा है। पहले इनको एक तारीख या इससे पहले भी डाटा मिल जाता था तो इनकी रीडिंग एक तारीख से प्रारंभ हो जाती थी। यह रीडिंग एक से 15 तारीख तक चलती है। लेकिन अब रीडिंग विलंब से हो रही है। विलंब से रीडिंग होने के कारण पुराने मीटरों का बिल जो पहले 30 दिनों का या फिर किसी कारण से दो दिनों का विलंब होने पर 32 दिनों का बनता था, वह अब 35 से 40 दिनों का बन रहा है।

30 दिनों की रीडिंग संभव नहीं

पॉवर कंपनी के जानकारों और रीडरों का साफ कहना है, तीस दिनों की रीडिंग उसी हाल में संभव है जब हर माह एक तारीख या फिर तय तिथि पर रीडिंग हो। किसी भी मीटर में माह के अंतिम तिथि की रीडिंग दर्ज रहती है। अगर किसी उपभोक्ता के घर पर रीडर पांच तारीख के स्थान पर 10 तारीख को जाएगा तो उस दिन की रीडिंग लेने पर 35 दिन का बिल बनेगा। अगर लीडर 15 तारीख को जाएगा तो 40 दिनों का बिल बनेगा। अगर मीटर से माह के अंतिम दिन की रीडिंग ली जाएगी तो 20 से 25 दिनों का बिल बनेगा। क्योंकि पिछली रीडिंग पांच तारीख को ली गई थी। जिन उपभोक्ताओं की रीडिंग जिस तारीख को होती है, रीडर उसी तिथि में दूसरे माह को जाएगा तभी 30 दिनों की रीडिंग संभव होगी, अन्यथा जितने दिन विलंब से रीडर जाएगा, उतने दिनों का ज्यादा बिल बनेगा, जो नियमों के हिसाब से गलत है। रीडर खुद नाम न छापने की शर्त पर बताते हैं कि दो माह से रीडिंग का पूरा शेड्यूल बिगड़ गया है।

पानी का बजट 4 करोड़, किराए के टैंकरों पर इस बार 2 करोड़ से ज्यादा बिलिंग के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर नगर निगम में पानी का बजट 4 करोड़ होने के बाद भी इस बार के गर्मी सीजन में चार जोन के 11 वार्डों में पेयजल संकट की स्थिति बनने से जोन-9, जोन-5, जोन-3 और जोन-1 वार्डों में किराए के पानी टैंकर भेजकर लोगों की प्यास बुझाने की नौबत आई। इस बार 15 जुलाई तक किराए के पानी टैंकर जलसंकट प्रभावित इलाकों में चलाने की स्थिति बनी है। ऐसे में किराए के पानी टैंकर की बिलिंग इस बार 2 करोड़ से ज्यादा जाने के आसार है। यदि ऐसा हुआ तो पिछले वर्ष की तुलना में यह राशि 50 लाख रुपए ज्यादा होगी। जबकि रायपुर नगर निगम द्वारा आम जनता को शुद्ध पेयजल पहुंचाने इस बार अमृत मिशन के तहत 400 करोड़ और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा पॉयलट प्रोजेक्ट के तहत शहर के 15 वार्डों में 130 करोड़ खर्च कर 24 घंटे जल आपूर्ति की योजना पर काम किया गया। इसके बाद भी स्थिति ये है कि गंज पानी टंकी और मोतीबाग पानी टंकी को कमांड एरिया मानते हुए राजधानी के 15 वार्डों में नई पाइपलाइन बिछाने, इंटर कनेक्शन करने और अत्याधुनिक तकनीक से निर्मित स्वचालित मीटर लगाने का फायदा लोगों को नहीं मिल पाया।

शहर के 15 वार्डों में 24 घंटे जल आपूर्ति योजना का नहीं मिल रहा लाभ

गर्मी में शुद्ध पानी की आपूर्ति

हर बार की तरह इस बार भी शहरवासियों की प्यास बुझाने नगर निगम का जल विभाग अपने फिल्टर प्लांट से गर्मी के सीजन में 300 एमएलडी से अधिक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति शहर के नई व पुरानी 43 पानी टंकियों के माध्यम से करता रहा। जल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, रायपुर नगर निगम के 11 वार्डों में पानी की सबसे ज्यादा किल्लत रही। इसमें सबसे ज्यादा जोन-9 के जलसंकट प्रभावित वार्डों में रहा, जहां सबसे ज्यादा 23 किराए के पानी टैंकर अलग-अलग पाइंट पर भेजने की नौबत आई। इसी तरह जोन-3 के नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड की खम्हारडीह बस्ती, वृंदावन कॉलोनी, पार्वती नगर, सेलटैक्स कॉलोनी, भावना नगर बस्ती में पानी की समस्या दूर करने टैंकर भेजकर जल आपूर्ति की गई। इस वार्ड के कुछ इलाकों में पेयजल की समस्या अभी भी बनी हुई है।

अवंतिबाई वार्ड भी

नगर निगम जोन-2 के वीरांगना अवंति बाई वार्ड के डब्लूआरएस कॉलोनी में रेलवे पटरी से लगी बस्तियों में पानी के लिए त्राहिमाम मचने से किराए के पानी टैंकर भेजकर जल आपूर्ति की व्यवस्था की गई। इस वार्ड के इंदिरा नगर, प्रेमनगर, नेपाली बस्ती, शिवनगर, झारखंड बस्ती श्रीराम नगर, घासपारा, वाल्मीकि नगर, दुर्गा नगर में पेयजल का संकट ज्यादा रहा। वहीं भनपुरी में 2 पानी टंकियां होने के बाद भी दर्जनभर मोहल्लों में नलों से पर्याप्त पानी नहीं पहुंचने से किराए के पानी टैंकर का सहारा लेना पड़ा। जबकि अमृत मिशन के तहत नई पाइपलाइन बिछाने के बाद भी ये स्थिति देखने को मिली। इसके अलावा भक्त कर्मा माता वार्ड, डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड, गुरु गोविंद सिंह वार्ड में पेयजल संकट गहराने से किराए के पानी टैंकर की जरूरत पड़ी।

खबर संक्षेप

नवागांव स्कूल में छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण

महासमुंद। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नवागांव में चिरायु दल द्वारा बच्चों स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। टीम में प्रमुख रूप से आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. रूहीनाज, फार्मासिस्ट ओंकार गुप्ता, एमएलटी योगेश्वरी ध्रुव एवं मीना पटेल एएनएम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। टीम के सदस्यों ने बच्चों के आंख, नाखून, मुंह, दांत सहित शरीर के विभिन्न अंगों की जांच की गई तथा बच्चों से उनके स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी ली गई। उनके द्वारा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के संबंध में छात्र-छात्राओं को विशेष जानकारी दी गई। स्वास्थ्य निरीक्षण टीम ने विद्यार्थियों को पोषण आहार एवं संतुलित भोजन के बारे में भी जानकारी दी गई। जिससे बच्चों को विटामिन, प्रोटीन, खनिज लवण, कार्बोहाइड्रेट एवं अन्य आवश्यक पदार्थ शरीर को मिल सके। स्वास्थ्य टीम द्वारा सिकलिन एवं एनीमिया आदि की भी जांच की गई। स्वास्थ्य टीम द्वारा बच्चों को विटामिन ए, मल्टीविटामिन, सर्दी-खांसी का सिरप एवं जरूरतमंद बच्चों को विभिन्न प्रकार के टैबलेट का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था के प्रधान पाठक अरुण कुमार साहू, शिक्षक मेमन चंद्राकर, अमर साहू, किरण दीवान प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। शाला के विद्यार्थी ईशु निर्मलकर, किशन बरिहा, कुमकुम पटेल, हुनिका, कोमल सिन्हा, पूनम निषाद भूमिका, गीतांजलि, रश्मि, रागिनी सिन्हा, सागर, पंकज, फलेश्वरी, पायल, संध्या सहित सभी विद्यार्थियों का सहयोगात्मक योगदान रहा।

आंदोलन: भोजन रसोइया महासंघ की मांगों को रश्मि ने बताया जायज

मध्यान्ह भोजन रसोइया महासंघ के आंदोलन को मिला कांग्रेस का समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

- पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ.रश्मि चंद्राकर ने धरनास्थल पहुंचकर बुलंद की रसोइयों की आवाज
- कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने धरना स्थल पर पहुंचकर रसोइयों की लड़ाई में साथ देने का दिया भरोसा

अपनी न्यायोचित मांगों को लेकर आंदोलनरत जिला रसोइया महासंघ के धरने को आज उस वक्त बड़ा बल मिला, जब जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष एवं विधानसभा क्षेत्र महासमुंद (2023) की कांग्रेस उम्मीदवार डॉ. रश्मि चंद्राकर ने अपने सहयोगियों के साथ धरना स्थल पहुंचकर आंदोलन को अपना पूर्ण समर्थन दिया।

धरना स्थल पर उपस्थित रसोइयों को संबोधित करते हुए डॉ. रश्मि चंद्राकर ने कहा कि स्कूलों में बच्चों को भरपेट भोजन कराने वाले रसोइया भाई-बहनों का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज के महंगाई के दौर में बेहद कम मानदेय पर काम करना रसोइयों के साथ अन्याय है। रसोइया महासंघ की कलेक्टर दर पर मानदेय देने, पूर्णकालीन रोजगार करने और छंटनी रोकने की मांगें पूरी तरह से जायज हैं और कांग्रेस पार्टी इस हक की लड़ाई में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। डॉ. रश्मि चंद्राकर के साथ कांग्रेस नेताओं के एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल ने भी रसोइयों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं को सुना।

आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे नेताओं में मुख्य रूप से गुरमीत चावला (शहर अध्यक्ष), निर्मल जैन (शहर महामंत्री), सोमेश दवे (जिला महामंत्री), सोनम रामटेके (शहर अध्यक्ष, महिला कांग्रेस), लीलू साहू (वरिष्ठ कांग्रेस नेता) शामिल रहे। सभी नेताओं ने एक स्वर में रसोइयों की मांगों का समर्थन किया और सरकार से उनकी जायज मांगों पर तुरंत सहानुभूतिपूर्वक विचार करने की मांग की। मध्यान्ह भोजन रसोइया महासंघ की ओर से संघ की प्रदेश अध्यक्ष नीलू ओगरे ने कांग्रेस नेताओं के इस समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया और मांगें पूरी होने तक अपना संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया।

साय सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के कारण पनप रहा असंतोष : आलोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

- कांग्रेस सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कर्मचारियों को अपना परिवार माना और उनके हितों का ध्यान रखा

भाजपा की साय सरकार सत्ता में आते ही कर्मचारियों के साथ विश्वासघात पर उतर आई है। चुनाव से पहले बड़े-बड़े वादे करने वाली भाजपा आज सत्ता मिलते ही छत्तीसगढ़ के लाखों कर्मचारियों, शिक्षकों और संविदाकर्मियों की अनदेखी कर रही है। सरकार की इस कर्मचारी विरोधी नीतियों की जितनी भी आलोचना की जाए, कम है। उक्त बातें जीव जंतु कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष व कांग्रेस के प्रदेश संयुक्त महामंत्री आलोक चंद्राकर ने कही।

चंद्राकर ने कहा कि लगातार छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर लगातार ज्ञापन, आंदोलन कर रहे हैं। जिससे शासकीय कार्य भी बाधित होते हैं। कर्मचारियों को समय पर महंगाई भत्ते का लाभ नहीं मिल रहा है। मध्यप्रदेश की तर्ज पर 300 दिन के अर्जित अवकाश के नकदीकरण की मांग लगातार की जा रही है।

लेकिन सरकार इस पर कोई निर्णय नहीं ले रही। चार स्तरीय समयमान वेतनमान लागू करने और विभिन्न विभागों में व्याप्त वेतन विसंगतियों को दूर करने की फाइलें आज भी सचिवालय में धूल फांक रही हैं।

दूसरी ओर सीएसपीडीएल और एनएचएम सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत हजारों संविदा कर्मचारी सालों से प्रदेश की सेवा कर रहे हैं। उन्हें न नियमित किया जा रहा है और न ही समान काम के लिए समान वेतन दिया जा रहा है। आउटसोर्सिंग कंपनियों के माध्यम से उनका शोषण किया जा रहा है और साय सरकार आंख बंद करके बैठी है।

लंबित करों का तत्काल भुगतान करें अन्यथा नाम होंगे सार्वजनिकः सीएमओ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

- मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा : न्यायालयीन कार्रवाई की भी जाएगी

मुख्य नगर पालिका अधिकारी सौरभ शर्मा ने नगर पालिका क्षेत्र के समस्त नागरिकों, व्यापारियों, प्रतिष्ठान संचालकों एवं संपत्ति स्वामियों से अपील की है कि वे अपने लंबित संपत्ति कर, जलकर, समेकित कर, बाजार किराया, यूजर चार्ज एवं अन्य समस्त देयों का तत्काल भुगतान करें। उन्होंने कहा कि नगर पालिका को वर्तमान में लाखों रुपए की कर एवं शुल्क राशि प्राप्त होना शेष है, जिसके कारण विकास कार्यों एवं नागरिक सुविधाओं के संचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

शर्मा ने बताया कि विगत वित्तीय वर्ष में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध लगभग 36 प्रतिशत ही राजस्व वसूली हो सकी थी, जो अत्यंत निराशाजनक रही। लक्ष्य के अनुरूप राजस्व प्राप्त नहीं होने से नगर पालिका की वित्तीय व्यवस्था प्रभावित हुई तथा विकास कार्यों के संचालन में कठिनाइयां आईं। इसी कारण इस वर्ष राजस्व वसूली को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका द्वारा राजस्व वसूली कार्य की नियमित समीक्षा की जा रही है, जो अधिकारी एवं कर्मचारी लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली करने में असफल रहे अथवा जिनका कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया, उन्हें राजस्व वसूली के कार्य से हटा दिया गया है तथा उनकी जिम्मेदारी अन्य सक्षम कर्मचारियों को सौंपी गई है। आगे भी कार्य के आधार पर ही जिम्मेदारियां निर्धारित की जाएंगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कहा कि नगर पालिका द्वारा प्रत्येक वार्ड में विशेष राजस्व वसूली अभियान चलाया जा रहा है। राजस्व अमला घर-घर जाकर करदाताओं से संपर्क कर रहा है तथा उन्हें बकाया कर जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके बावजूद जो करदाता बार-बार सूचना एवं अवसर दिए जाने के बाद भी अपना बकाया जमा नहीं करेंगे, उनके नाम नियमानुसार सार्वजनिक किए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि नगर पालिका अपने राजस्व की सुरक्षा के लिए आवश्यक होने पर सक्षम न्यायालय की शरण लेगी तथा छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम एवं अन्य लागू विधिक प्रावधानों के अंतर्गत उपलब्ध सभी वैधानिक कार्रवाई करेगी।

रथयात्रा से पहले पालिका के प्लेसमेंट एवं नियमित कर्मचारियों को मिलेगा वेतन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू के निरंतर प्रयासों और शासन स्तर पर लगातार किए गए प्रभावी समन्वय का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। अध्यक्ष की पहल पर शासन ने नगर पालिका के प्लेसमेंट एवं नियमित कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए एक करोड़ से अधिक की राशि जारी कर दी है। इससे रथ यात्रा के पावन अवसर से पूर्व कर्मचारियों के खातों में वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

नगर पालिका अध्यक्ष साहू ने कहा कि कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

- अध्यक्ष का प्रयास रंग लाया, एक करोड़ से अधिक राशि जारी

कर्मचारियों को समय पर वेतन उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने लगातार शासन के समक्ष विषय को प्रमुखता से उठाया।

संबंधित अधिकारियों से नियमित संपर्क बनाए रखा तथा शीघ्र राशि जारी कराने के लिए निरंतर प्रयास किए। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप शासन द्वारा राशि स्वीकृत एवं जारी की गई। अध्यक्ष ने कहा कि रथ यात्रा जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व से पहले वेतन मिलने से कर्मचारियों और उनके परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी तथा वे पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ पर्व मना सकेंगे। उन्होंने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर पालिका कर्मचारियों के हितों से जुड़े प्रत्येक विषय पर वे आगे भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे। साथ ही सभी कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे नगर के विकास, स्वच्छता, राजस्व वृद्धि एवं नागरिक सुविधाओं के बेहतर संचालन के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

बागवानी मिशन से कौशिल्या को मिली नई राह, करेले की खेती से बढ़ा मुनाफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

जिले के पिथौरा विकासखंड के ग्राम बरतुंगा के कृषक दम्पति कौशिल्या बाई यदु और उनके पति कभी पारंपरिक धान की खेती करते थे, उन्होंने समय के साथ अपनी सोच बदली और उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में करेला की आधुनिक खेती अपनाया। साथ ही ड्रिप सिंचाई और मल्चिंग जैसी नई तकनीकों का उपयोग कर उन्होंने अपनी आय में इजाफा किया।

कृषक कौशिल्या बाई यदु बताती है कि पूर्व में वे अपने 0.40 हेक्टेयर सिंचित भूमि में मुख्य रूप से धान की खेती करती थीं। धान की खेती से उन्हें अपेक्षाकृत कम आय प्राप्त होती थी, जिससे परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं को पूरा करना चुनौतीपूर्ण था। बेहतर आय की तलाश में उन्होंने उद्यानिकी विभाग से संपर्क किया। विभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में उन्होंने राष्ट्रीय बागवानी मिशन अंतर्गत सब्जी क्षेत्र विस्तार योजना के तहत करेला की खेती शुरू करने का निर्णय लिया। उद्यानिकी विभाग की तकनीकी सलाह के अनुसार उन्होंने ड्रिप सिंचाई एवं मल्चिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया। इन तकनीकों से सिंचाई जल की बचत हुई, खरपतवार नियंत्रण में सुविधा मिली, पौधों की बेहतर वृद्धि हुई तथा उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार आया। विभाग द्वारा करेला फसल एवं सपोर्ट सिस्टम के लिए 13,600 रुपए की अनुदान राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से उनके बैंक खाते में प्रदान की गई, जिससे खेती की प्रारंभिक लागत में भी सहायता मिली। करेला की खेती से उन्हें अपेक्षा से अधिक उत्पादन प्राप्त हुआ। स्थानीय बाजार एवं पिथौरा मंडी में करेला की अच्छी मांग और उचित मूल्य मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई। खेती में लगभग 40 हजार रुपए की लागत के मुकाबले उन्हें लगभग 1 लाख 45 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। यदु की उपलब्धि ने ग्राम बरतुगा सहित आसपास के क्षेत्रों के किसानों को भी प्रेरित किया है। इससे क्षेत्र में फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिल रहा है।

किसानों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं : मानिक

महासमुंद। जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष मानिक साहू ने प्रदेश के किसानों की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि खरीफ सीजन के महत्वपूर्ण समय में किसान सबसे अधिक परेशान हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के बजाय केवल दावे और प्रचार में व्यस्त है। खेतों में बुआई का समय चल रहा है, फिर भी अनेक सहकारी समितियों में किसानों को पर्याप्त मात्रा में डीएपी, यूरिया एवं अन्य आवश्यक उर्वरक नहीं मिल रहे हैं। कई किसान सुबह से शाम तक समितियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। मानिक ने सरकार से मांग की कि सभी प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सिंचाई परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा कर किसानों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाए। प्राकृतिक आपदा, अतिवृष्टि या अन्य कारणों से जिन किसानों की फसल प्रभावित हुई है, उन्हें बिना देरी उचित सर्वे कराकर मुआवजा दिया जाए तथा फसल बीमा की राशि भी समय पर किसानों के खातों में पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि किसान केवल वोट देने का माध्यम नहीं है, बल्कि देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि किसान परेशान रहेगा तो बाजार, व्यापार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी।

डेयरी व्यवसाय से आत्मनिर्भर बने जिले के 15 हजार से अधिक किसान और महिलाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

जिला आज छत्तीसगढ़ के प्रमुख दुग्ध उत्पादक क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बना रहा है। जिले में एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत दुग्ध उत्पादन को विशेष प्राथमिकता दिए जाने से हजारों किसानों और ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। वर्तमान में 15 हजार से अधिक किसान एवं ग्रामीण डेयरी व्यवसाय से जुड़े हुए हैं और इसे अपनी आजीविका का प्रमुख साधन बना चुके हैं।

ग्राम जोरातराई की महिला पशुपालक भगवती ध्रुव ने बताया कि उन्हें शत प्रतिशत अनुदान में गिर और साहीवाल नस्ल की गाय पशुधन विकास विभाग के द्वारा दी गई है। इसके साथ ही गायों के लिए मैट भी दिया गया है, जिसमें वे बैठते है। दोनों ही गाय 10-10 लीटर दूध देती हैं। जिसका कुछ भाग वे अपने घर में उपयोग के लिए रखती हैं तो शेष को गांव के सहकारी समिति में बेच देती है। इससे उन्हें आर्थिक लाभ भी होता है। इसी तरह जोरातराई की जया बाई ध्रुव को भी शत प्रतिशत अनुदान में गिर नस्ल की 2 गाय मिली। जिनसे पर्याप्त मात्रा में दूध मिल जाता है। घरेलू आवश्यकता की पूर्ति के लिए कुछ मात्रा में दूध वे रख लेती हैं और बाकि को दुग्ध समिति में विक्रय करती है। इस तरह से उनके परिवार को आर्थिक मजबूती भी मिल गई है।

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति सम्हर के सचिव बोधराम पटेल ने बताया कि जोरातराई गांव में दुग्ध उत्पादन को बढ़ता देख साल 2021 में दुग्ध सहकारी समिति का गठन किया गया। जहां आसपास के गांव सम्हर, बिराजपाली, कौहाकुड़ा, मुड़ागांव, मोंगरापली, लमकेनी, कोटनपाली और सरायपाली से दूध आता है। जिन्हें बीएमसी कौहाकुड़ा भेजा जाता है। वहां से इसको सीलिंग कर देवभोग रायपुर भेज दिया जाता है। जिले के पांचों विकासखंडों से प्रतिदिन हजारों लीटर दूध का संग्रहण किया जा रहा है। देवभोग सहकारी समिति सहित विभिन्न डेयरियों को रोजाना 39 हजार लीटर से अधिक दूध की आपूर्ति हो रही है, जिससे किसानों को नियमित आय का स्रोत मिला है।

सेजेस तुमगांव में विशेषज्ञों की आधिकारिक विजिट, विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महासमुंद

पीएमश्री सेजेस तुमगांव स्कूल में विशेषज्ञ अधिकारियों ने आधिकारिक विजिट किया। इस दौरान स्कूल की विभिन्न शैक्षणिक और कल्याणकारी योजनाओं का जायजा लिया गया। प्राचार्य केआर साहू ने विशेषज्ञों को प्रत्येक योजना की विस्तृत जानकारी दी और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करवाया।

विजिट के दौरान डीईओ बीएल देवांगन, बीईओ बीएस बंजारा, डीएमसी रेखराम शर्मा तथा संपा बोस भी उपस्थित रहीं। विशेषज्ञों ने स्कूल पहुंचते ही सबसे पहले प्राचार्य केआर साहू के साथ बैठक की और फिर कक्षा कक्षाओं, लैबों तथा अन्य सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण किया।

प्राचार्य ने बताया कि सभी कक्षाओं के छात्र-छात्राओं को समय पर पाठ्यपुस्तकें वितरित की जा चुकी हैं। लाभार्थी छात्राओं को साइकिल वितरण की प्रगति और उपयोग की जानकारी दी गई। लैबों की उपकरण स्थिति, रखरखाव और छात्रों के प्रयोगात्मक शिक्षण की समीक्षा की गई। फाउंडेशनल स्टेज (बालवाटिका एवं प्रारंभिक कक्षाएं) के अंतर्गत चल रहे नवीन प्रोजेक्ट की विस्तृत प्रस्तुति दी गई। रसोईघर, भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और छात्रों को मिलने वाले पौष्टिक भोजन की जांच की गई। विभिन्न कक्षाओं के छात्रों के लर्निंग आउटकम, मूल्यांकन प्रक्रिया और सुधारात्मक उपायों पर चर्चा हुई। प्राचार्य ने विशेषज्ञों को स्कूल की उपलब्धियों, चुनौतियों तथा भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया। विशेषज्ञों ने स्कूल प्रबंधन द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं से संतोष व्यक्त किया और कुछ सुझाव भी दिए। डीईओ, बीईओ, डीएमसी एवं संपा बोस ने भी विजिट के दौरान सक्रिय रूप से भाग लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस आधिकारिक दौरा से स्कूल में शिक्षा की गुणवत्ता और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। स्थानीय शिक्षा विभाग के अधिकारी इस विजिट को बेहद महत्वपूर्ण मान रहे हैं। विजिट में स्कूल के शिक्षक-कर्मचारीगण भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिनमें अश्विनी धीवर, तिलक शर्मा, रेवती रमन तारक, कामता प्रसाद साहू, पवन कुमार डडसेना, रोहित लहरे, देवेश कुमार, ज्योति सिंह, हेमलता साहू, कुसुम कुजूर, सविता ध्रुव, अंकिता ठाकरे, गीतिका कौशिक, गीता पटेल, सिद्धांत गायगौरे, सुरेश यादव, सागर झा, सत्यम पांडेय, सजल चंद्राकर, लक्ष्मी नारायण साहू, नवीन कुमार दास, तरुण कुमार सिन्हा, लोकेश साहू, मधुरिमा शर्मा, बरखा शर्मा, भारती भार्गव, वेनिका लकरा, प्रियंका बरिहा, सोनाली साहू, रेणुका साहू, लिली मजखंड, नलिनी ध्रुव, प्रगति साहू सहित अन्य सम्मिलित थे।

खबर संक्षेप

प्रदेश साहू संघ युवा प्रकोष्ठ के पदाधिकारी बने बलरामकांत, आनंद व गजेंद्र

महासमुंद। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ निरेन्द्र साहू की अनुशंसा पर छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ युवा प्रकोष्ठ प्रदेश पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इन नियुक्तियों में महासमुंद जिले से भी पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जिनमें तुमगांव नगर पंचायत के अध्यक्ष बलराम कांत साहू एवं आनंद साहू को संगठन सचिव तथा गजेंद्र साहू को संयुक्त सचिव नियुक्त किया है। नियुक्ति पर पदाधिकारियों ने संगठन और शीर्ष समाजजनों का आभार माना है और अपने पद का उत्तरदायित्व पूर्वक निर्वहन किए जाने का भरोसा दिलाया है।

खरोरा में तालाब की साफ सफाई

महासमुंद। ग्राम खरोरा के तालाब की पूर्व सैनिक संगठन द्वारा सफाई कराई गई। पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष युवराज सिंह चंद्राकर ने स्वच्छता का संदेश देते हुए कहा कि तालाब की साफ-सफाई करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। तालाब के आसपास जगह पर गंदगी नहीं करना है। तालाब की स्वच्छता बनाए रखनी है।

विश्वकर्मा समाज ने कराया दो पक्षों को मेल-मिलाप

अरंड (पिथौरा)। ग्राम बोइरगांव कोमाखान में छत्तीसगढ़िया फुलझरिया लोहार विश्वकर्मा समाज ने दो पक्षों की समस्या का निराकरण किया। ग्राम बोइरगांव में टेकबाई की समस्याओं को समाज ने सुनी गई। उनके चाचा-चाची को एक साथ रहने तथा खानपान, विवाह एवं अन्य कार्यक्रमों में एक साथ चलने कहा गया। इस तरह दोनों पक्षों में मेलमिलाप कराया। इस दौरान समाज के अध्यक्ष शिवलाल विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष बेदराम विश्वकर्मा, रामदुलार विश्वकर्मा, पतिराम विश्वकर्मा, पिलसिंग विश्वकर्मा, हेमराज विश्वकर्मा, नीलकंठ विश्वकर्मा, वीणा विश्वकर्मा, क्षेत्रोमोहन विश्वकर्मा, कुमार विश्वकर्मा, दयाराम विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा, भागीरथी विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

एमेच्योर कबड्डी एसोसिशन का हुआ गठन

महासमुंद। एमेच्योर कबड्डी एसोसिशन महासमुंद जिला इकाई की प्रथम कार्यकारणी बैठक 12 जुलाई रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर महासमुंद के सभागार में वरिष्ठ कबड्डी खिलाड़ी एवं सदस्य गुलाबचंद चंद्राकर की अध्यक्षता में हुई। सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं हनुमान के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक की शुरुआत की गई। बैठक में नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से एमेच्योर कबड्डी एसोसिशन महासमुंद का संरक्षक पवन कुमार ध्रुव को बनाया गया। विशेष आमंत्रित सदस्य रमाकांत ध्रुव एवं आज्ञा राम ठाकुर को बनाया गया। एसोसिएशन का अध्यक्ष अध्यक्ष चेतन ठाकुर पिथौरा, उपाध्यक्ष प्रफुल बारीक़ सराईपाली, सचिव ओमप्रकाश जायसवाल महासमुंद, कोषाध्यक्ष हेमंत डडसेना झलप, संयुक्त सचिव हिरदेश्वर नायक बागबाहरा एवं सदस्य के रूप में दिव्य कुमार बारीक़ बसना, मोती लाल मांझी बसना, खगेंद्र तारक महासमुंद, कमलेश साहू, भूजेंद्र सिंग ठाकुर, महिला सदस्य के रूप में कुसुम यादव का सर्वसम्मति से मनोनयन किया गया।

चर्चा: रामलाल के छग राज्य अजा आयोग के अध्यक्ष बनने पर जताया हर्ष

गांड़ा समाज फेडरेशन की संभाग स्तरीय बैठक में जुटे प्रदेशभर से सामाजिकजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बसना

छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जाति वर्ग के संवैधानिक हक और अधिकारों के लिए सड़क से संसद तक लड़ाई लड़ने वाले अनेक ऐसे महान विभूतियां छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पूर्व और गठन के बाद भी अब तक सक्रिय और क्रियाशील है। सभी ने अपने अपने स्तर में सामाजिक चेतना के लिए अच्छा कार्य किया है। चूंकि, छग और केंद्र सरकार के अनुसूचित जातियों की अधिसूचित सूची में गांड़ा जाति का उल्लेख है।

लेकिन, छग राज्य गठन के बाद भी छग में राज्य स्तर पर राजनीतिक व सामाजिक उत्थान करने की दिशा में अन्य समाज के तुलना में प्रगति करने में गाड़ा समाज बहुत कुछ पिछड़ा रहा। अलग-अलग क्षेत्रीय सामाजिक संगठनों के कार्य कुशलता के बाद भी प्रदेश स्तर में अपनी पहचान व प्रगति मे गांड़ा समाज लगभग पिछड़ा ही रहा। परंतु, अब सामाजिक संगठनात्मक दृष्टिकोण से अगर देखा जाए तो प्रदेशभर के गाड़ा समाज को एक साथ जोड़कर सामाजिक एकरुपता समरसता के लिए सामाजिक एकीकरण कर सामाजिक संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में गांड़ा समाज अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जिसका प्रतिफल सामाजिक व्यक्तियों को उच्च संवैधानिक पदों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां भी प्राप्त हो रही है। वहीं सामाजिक अलगाव और मतभेद से रहित एक रूप समाज की रुपरेखा का रेखांकन कर सामाजिक एवं राजनीतिक दृष्टिकोण से समाज को सक्षम और स्वावलंबी बनाने की दिशा में छत्तीसगढ़ गांड़ा समाज फेडरेशन का सृजन हुआ और फेडरेशन पूरी सक्रियता से कार्य करते हुए प्रगतिरथ है।

कार्यक्रम की शुरुआत में संरक्षक पुनीतराम चौहान ने फेडरेशन के मूल उद्देश्यों पर संक्षिप्त में प्रकाश डाला एवं आधार भूत ढांचा और पूरे प्रदेश के गांड़ा समाज के प्रत्येक व्यक्ति को फेडरेशन के विषय में संक्षिप्त में जानकारी साझा किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अलग-अलग घटकों में बंटे सामाजिक संगठनों को प्रदेश स्तर पर छग गांड़ा समाज फेडरेशन के साथ आगे आकर सामाजिक संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की अपील की। बैठक में रायपुर से राजेश बघेल एवं गरियाबंद के साथ पूरे रायपुर संभाग के प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए।

बैठक में उपस्थित प्रदेश एवं प्रमुख संभागीय पदाधिकारियों ने समाजिकजनों ने छत्तीसगढ़ गाड़ा समाज फेडरेशन के संरक्षक रामलाल चौहान को छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष बनाए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ साथ पूरे राज्य शासन के प्रति बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया है।

बैठक में समाजजनों ने दिखाई एकजुटता

मंगल भवन बसना में छग गांड़ा समाज फेडरेशन का संभाग स्तरीय बैठक हुई। जिसमें रायपुर संभाग के छग गांड़ा समाज फेडरेशन के भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। फेडरेशन में प्रदेशभर के अलग-अलग जिलों में सक्रिय अलग-अलग क्षेत्रीय सामाजिक संगठनों और युवाओं की बढ़ती सहभागिता और एक जुटता ने समाज की विभिन्न धाराओं में प्रगति करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। चूंकि, गाड़ा समाज को प्रदेश स्तर पर एकजुट करने के लिए अपने जीवन खपाने वाले गांड़ा समाज के गौरव सरायपाली के पूर्व विधायक छत्तीसगढ़ गांड़ा समाज फेडरेशन के संरक्षक रामलाल चौहान रहे हैं, जिसे छत्तीसगढ़ राज्य शासन में अनुसूचित जाति आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जिस कारण छत्तीसगढ़ गांड़ा समाज फेडरेशन ने महासमुंद जिले के बसना स्थित मंगल भवन में रायपुर संभाग का संभागीय स्तरीय बैठक आयोजित किया गया। बैठक में फेडरेशन के पदाधिकारीगण शामिल हुए। जिसमें मुख्य रुप से संरक्षक-रामलाल चौहान, पुनीत राम चौहान, सलाहकार-कुमार लाल चौहान, हरिशंकर चौहान, फेडरेशन की प्रांतीय संयोजक टी.आर जगदल्ले, सरायपाली विधायक चातुरी डिग्रीलाल नंद, उपसंयोजक रायपुर संभाग के चंद्रशेखर सोनवानी, पुष्पलता चौहान, फेडरेशन के प्रांतीय सचिव रवि बघेल, कोषाध्यक्ष प्रेमलाल चौहान, बंशी ताण्डी, चंपतलाल चौहान, देवेंद्र चौहान, रमेश चौहान, उद्धव नंद, लोचन चौहान, सिरभय चौहान, अशोक सोनवानी, देवप्रसाद चौहान, कीर्तन लाल चौहान, राजूकीर्ति चौहान, गौतम चौहान, राखी चौहान, शत्रुघ्न चौहान सहित उपस्थित भारी संख्या में महासमुंद जिला के साथ साथ रायपुर संभाग के संभागीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षक नोहर सिंह को दी गई भावभीनी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नर्रा

बागबाहरा विखं के बोइरगांव पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में संकुल समन्वयक एवं वरिष्ठ शिक्षक नोहर सिंह ठाकुर के सेवानिवृत्ति अवसर पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में आसपास के ग्राम पंचायतों से आए शिक्षकगण, जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन के अलावा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं छग महतारी के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने ठाकुर के शिक्षा क्षेत्र में दिए गए दीर्घकालीन योगदान को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ. विजय शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नोहर सिंह ठाकुर के संघर्षपूर्ण जीवन एवं विद्यार्थी जीवन की प्रेरणादायक यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जीवन में परिस्थितियां कैसी भी हों, यदि दृढ़ संकल्प, मेहनत और लगन हो तो सीमित संसाधनों के बीच भी सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से कठिनाइयों से घबराने के बजाय निरंतर आगे बढ़ने और शिक्षा को जीवन का सबसे बड़ा हथियार बताया अपने भावुक उद्बोधन में नोहर सिंह ठाकुर ने विद्यालय में बिताए अपने लंबे शिक्षकीय जीवन के अनुभव विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं ग्रामीणों के साथ साझा किए। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में विद्यार्थियों को नई तकनीकों के साथ स्वयं को लगातार अपडेट करना चाहिए तथा परीक्षा की तैयारी योजनाबद्ध ढंग से करनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सफलता के लिए अनुशासन, नियमित अध्ययन और आत्मविश्वास का महत्व को समझाया। ठाकुर ने कहा कि गुरु और शिष्य का रिश्ता कभी समाप्त नहीं होता। सेवा-निवृत्ति के बाद भी समय-समय पर विद्यालय आकर अपने अनुभव विद्यार्थियों के साथ साझा करता रहूँगा। बोइरगांव के लोगों ने मुझे हमेशा परिवार का सदस्य समझा है और यहाँ का स्नेह एवं अपनापन मेरे जीवन की अमूल्य पूंजी रहेगा। शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह अपने ज्ञान, संस्कार और अनुभव से समाज की नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ता है। नोहर सिंह ठाकुर का सेवाकाल इसी समर्पण,

अनुशासन और शिक्षण के प्रति निष्ठा का जीवंत उदाहरण रहा, ऐसे शिक्षकों का सम्मान केवल एक औपचारिक विदाई नहीं, बल्कि शिक्षा और समाज के प्रति उनके अमूल्य योगदान को नमन करने का अवसर होता है। मंच संचालन राजेंद्र प्रसाद पांडे ने किया। इस अवसर पर सरपंच गायत्री बाई ठाकुर बिंद्रावन, डॉ. विजय शर्मा, एनएम ठाकुर, पवन कुमार चक्रधारी, कोमन लाल चंद्राकर, नंद कुमार साहू, देवानंद वेदव्यास, कौशिल्या ठाकुर, धर्मेंद्र कुमार ध्रुव, खगेश्वर प्रसाद साहू, रामेश्वर सिंह ठाकुर, नोमेश यदु, श्रवण कुमार ठाकुर, चंद्रभान सिंह धुर्वे, शुभान सिंह दीवान, गोविंद सिंह, मनीष कुमार यादव, केके मोगरे (आचार्य), वीरेंद्र पटेल, रामकुमार साहू, संध्या यादव, पंचराम पांड़े, रामलाल, बेनूराम चौरे, शिवराम बरिहा, सेतराम राणा, उमाशंकर, कोमल कुमार साहू, दुर्गा, विनोद कुमार चंद्राकर, अमित सिंह ठाकुर, धर्मवीर, रूपेन्द्र कुमार सेन, होरीलाल ध्रुव, शिवकुमार जांगड़े, संकुल समन्वयक राजेन्द्र प्रसाद, डोंगर सिंह ठाकुर (सरपंच), विजय लक्ष्मी यादव (उपसरपंच), तुला राम ठाकुर (जनपद सदस्य) आदि मौजूद रहे।

उखरा में शिक्षकों की कमी, पूर्व सरपंच ने की शिक्षकों की नियुक्ति की मांग

नर्रा। बागबाहरा विखं के ग्राम पंचायत उखरा स्थित पूर्व माध्यमिक शाला में शिक्षकों की भारी कमी के कारण छात्र-छात्राओं का भविष्य अंधकारमय होता नजर आ रहा है। इस स्कूल में कक्षा छठवीं से आठवीं तक दर्ज 77 से 80 बच्चे अध्ययनरत है। लेकिन, उनकी शिक्षा के लिए केवल दो ही शिक्षक कार्यरत हैं। विभागीय और कार्यालयीन कार्यों के चलते अक्सर एक शिक्षक को बाहर रहना पड़ता है। जिसके कारण शाला का संचालन मात्र एक शिक्षक के भरोसे में चल रहा है। एक अकेले शिक्षक के लिए सभी कक्षाओं के सभी विषयों को पढ़ाना व्यावहारिक रूप से असंभव साबित हो रहा है। इस गंभीर स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए ग्राम के पूर्व सरपंच एवं कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष, नवनीत नाग ने प्रशासन और शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों से शाला में अविलंब शिक्षकों की पदस्थापना की मांग की है। नाग ने कहा एक शिक्षक के भरोसे पूरी शाला का संचालन होने से विद्यार्थियों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हो रही है। यदि समय रहते शिक्षकों की कमी को पूरा नहीं किया गया, तो ग्रामीण क्षेत्र के इन गरीब बच्चों के शैक्षणिक भविष्य पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों से पुरजोर मांग की है कि बच्चों के हित को सर्वोपरि रखते हुए इस मामले को प्राथमिकता दी जाए और शाला में रिक्त पदों पर तत्काल शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए।

बीएससी अंतिम वर्ष की मेरिट सूची में बसना के मणिशंकर ने प्रदेश में हासिल किया आठवां स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बसना

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा घोषित बीएससी अंतिम वर्ष (वार्षिक परीक्षा मार्च-अप्रैल 2025) की मेरिट सूची में महासमुंद जिले के बसना क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है।

पंडित स्व.जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय बसना के प्रतिभाशाली छात्र मणिशंकर साव ने प्रदेश की मेरिट सूची में आठवां स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय बसना, नगर एवं पूरे जिले का नाम रोशन किया है। विश्वविद्यालय द्वारा जारी मेरिट सूची के अनुसार उन्होंने कुल 1800 अंकों में से 1392 अंक अर्जित किए हैं।

मणिशंकर बचपन से ही मेधावी छात्र रहे हैं। उन्होंने बसना विकासखंड के अपने गृहग्राम देवरी (पिलवापाली) में कक्षा पहली से दसवीं तक की शिक्षा शासकीय विद्यालय से प्राप्त की। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में उन्होंने 92.33 प्रतिशत अंक हासिल कर पूरे संकुल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद समीपस्थ ग्रामीण उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तोषगांव से हायर सेकेंडरी की परीक्षा 80 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण कर क्षेत्र में टॉपर रहे। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने पंडित स्व. जयदेव सतपथी शासकीय महाविद्यालय, बसना में प्रवेश लिया, जहां आरती साव, गीतिका प्रधान एवं रोशनी गुप्ता के मार्गदर्शन में अध्ययन करते हुए यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की तथा 2024-25 में स्टूडेट

ऑफ द ईयर का खिताब से नवाजा गया। बसना महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसके साव ने बताया कि मणिशंकर हमारे महाविद्यालय के अत्यंत होनहार एवं मेहनती छात्र हैं। उन्होंने कहा कि बीएससी प्रथम वर्ष में अपेक्षाकृत कुछ कम अंक प्राप्त हुए थे, क्योंकि प्रारंभिक वर्ष में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालयीन अध्ययन पद्धति को समझने में समय लगता है। इसके बाद मणिशंकर ने द्वितीय वर्ष और अंतिम वर्ष में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की प्रदेश स्तरीय मेरिट सूची में आठवां स्थान प्राप्त किया। डॉ.साव ने कहा कि यदि प्रथम वर्ष में भी कुछ और अंक मिल जाते तो उनके विश्वविद्यालय में प्रथम अथवा द्वितीय स्थान प्राप्त करने की पूरी संभावना थी। उन्होंने मणिशंकर को महाविद्यालय का गौरव बताते हुए कहा कि उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी। अपनी सफलता का श्रेय मणिशंकर साव ने माता पिता उर्मिला साव-सतीश साव, मामा केशव कुमार साव, गुरुजनों एवं महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों, प्राचार्य डॉ. एसके साव को दिया। उन्होंने कहा कि नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार, विद्यार्थियों, शिक्षकों, क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

नकटी मामले में विधायक से आवास नहीं स्वीकारने की सहमति लेने पहुंचे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता

महासमुंद। आम आदमी पार्टी द्वारा रायपुर जिले के नकटी गांव में हुई बुलडोज़र कार्रवाई को गरीब, किसान और आम नागरिक के सम्मान पर सीधा हमला बताते हुए घोषणा की है कि 08 जुलाई से प्रदेश की सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में एक साथ राज्यव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रत्येक विधानसभा में पार्टी का प्रतिनिधिमंडल संबंधित विधायक से मुलाकात कर उनसे लिखित सहमति-पत्र प्राप्त करने का प्रयास करेगा कि वे गरीबों की ज़मीन और उजड़े हुए आशियानों पर बनने वाले प्रस्तावित विधायक निवास को स्वीकार नहीं करेंगे। इसी कड़ी में जिले के चारों विधायकों से सहमति लेने आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता उनके कार्यालय पहुंचे। खल्लारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक द्वारिकाधीश यादव से सहमति लेने खल्लारी विधानसभा प्रभारी शकील, ब्लॉक अध्यक्ष मीनाक्षी ठाकुर, संतोषी साहू, शोभन चक्रधारी, बाबा मेहता राम उनके निवास पहुचे, जहां पर विधायक ने इस मुद्दे पर सहमति पत्र देते हुए अपनी पूर्ण सहमति प्रदान करते हुए जमीन नहीं लेने की बात कही एवं नकटी गांव के लोगों का पुनर्वास करने की मांग की। इसी तरह महासमुंद विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा से सहमति लेने प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र चंद्राकर, विधानसभा प्रभारी संजय यादव, जिला उपाध्यक्ष भोला राम निषाद एवं इमरान खान पहुंचे, जहां पर उन्होंने यह कहते हुए सहमति नहीं दी कि जमीन की मांग विधायकों ने नहीं की है। सरायपाली विधायक चातुरी नंद ने पूर्व में ही सोशल मीडिया के माध्यम से जनहित के लिए ग्राम नकटी में अपने लिए जमीन नहीं लेने की बात कही है, इसलिए उनसे सहमति नहीं ली गई। बसना विधायक संपत अग्रवाल से सहमति लेने जिला उपाध्यक्ष गोपाल वैष्णव, विधानसभा सभा प्रभारी भुनेश्वर साहू, यूथ विंग जिलाध्यक्ष खिरोद पटेल, महिला विंग जिलाध्यक्ष मिलासनी सिंह, माधव सोना, एमडी सागर उनके निवास पहुंचे तो बताया गया वे रायपुर वाले निवास में है, वहां उनसे मिलकर सहमति लेने का आम आदमी पार्टी प्रयास कर रही है।

पीओपी से मूर्ति निर्माण का विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

- छत्तीसगढ़ मूर्तिकार चित्रकार संघ ने कलेक्टर से की शिकायत

छत्तीसगढ़ मूर्तिकार चित्रकार संघ ने शहर में प्लास्टर आफ पेरिस की मूर्ति निर्माण करने की शिकायत कलेक्टर से की है। संघ के जिलाध्यक्ष राजकुमार सोनवानी के साथ पहुंचे संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने जिलाधीश के नाम शिकायत ज्ञापन सौंपा है। पर्यावरण, संरक्षण एवं जल प्रदूषण को रोकने के लिए पीओपी से निर्मित मूर्तियों का संघ कड़ा विरोध करता है।

सर्वोच्च न्यायालय और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दिशा-निर्देश के अनुसार पीओपी से मूर्तियां बनाने पर पूर्ण प्रतिबंध है। मिट्टी या प्राकृतिक सामग्री से मूर्तियां बनाने की अनुमति है।

संघ ने शिकायत में कहा है कि शहर में कुछ मूर्तिकार पीओपी की मूर्तियां बना रहे हैं। वहीं अन्य स्थानों से विक्रय के लिए लाए गए हैं। संघ ने श्री गणेश जी व अन्य मूर्तियों का पीओपी से निर्माण की जांच कर विधिवत कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रदेशभर में भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के 5 लाख से अधिक हितग्राहियों को भाजपा सरकार ने किया अपात्र : विनोद चंद्राकर

भूमिहीन परिवारों को योजना के लाभ से वंचित कर भाजपा ने दिया गरीब विरोधी होने का प्रमाण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने भाजपा की साय सरकार द्वारा भूमिहीन कृषि मजदूर योजना में किए जा रहे छंटनी कार्रवाई को गरीब भूमिहीनों के साथ अन्याय व उनके हक पर कुठाराघात बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार ने प्रदेश के गरीब, भूमिहीन परिवारों को सम्मानजनक जीवन देने के उद्देश्य से इस योजना की शुरुआत की थी। उस समय 10 लाख से अधिक परिवारों को हर साल सीधी आर्थिक सहायता मिल रही थी। यह योजना केवल सहायता नहीं थी, बल्कि ग्रामीण गरीबों के लिए आत्मसम्मान और आर्थिक संबल का प्रतीक बन चुकी थी। जिसे, सत्ता में आते ही भाजपा की साय सरकार ने सबसे पहले इस योजना का नाम बदलकर अपनी पीठ थपथपाने का काम किया। नाम बदलने के साथ ही सरकार ने सत्यापन और तकनीकी नियमों का हवाला देकर प्रदेशभर में लाखों पात्र

परिवारों को अपात्र घोषित कर दिया। अकेले महासमुंद जिले में लगभग 3000 ऐसे भूमिहीन परिवार हैं जो पहले से पात्र थे, जिनकी रोजी-रोटी पूरी तरह मजदूरी पर निर्भर है, लेकिन आज उन्हें इस योजना के लाभ से पूरी तरह वंचित कर दिया गया है। पूरे प्रदेश में 5 लाख से अधिक गरीब परिवारों को इसी तरह बाहर कर दिया गया है।

चंद्राकर ने कहा कि आज स्थिति यह है कि साय सरकार आधे से भी कम हितग्राहियों को समय पर और सही तरीके से लाभ नहीं दे पा रही है। जिन लोगों को 10 हजार रुपए की राशि मिलनी थी, उनके खाते खाली पड़े हैं। सरकार के पास बड़े उद्योगपतियों को लाखों करोड़ का अनुदान देने के लिए खजाना भरा हुआ है, लेकिन गरीब मजदूर को साल भर में मिलने वाली मामूली सहायता देने में सरकार की नीयत और नीति दोनों फेल हो गई हैं। यह सीधे-सीधे गरीब विरोधी सोच का प्रमाण है। पूर्व विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार यह भूल रही है कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी मेहनतकशों की मिट्टी है। भूमिहीन परिवारों की गाढ़ी कमाई से ही प्रदेश का पेट भरता है। ऐसे में उनके हक को छीनकर सरकार न केवल अन्याय कर रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ को भी तोड़ रही है। महासमुंद जिले के हजारों परिवार आज इस कारण निराश है। क्योंकि, उनके पास न जमीन है और न ही सरकार की ओर से मिलने वाली सहायता।

उन्होंने मांग की है कि सरकार तत्काल सभी अपात्र घोषित किए गए पात्र परिवारों की सूची का पुनः सत्यापन करे, कटे हुए सभी नामों को पुनः जोड़े और बकाया राशि एकमुश्त खातों में डाले। साथ ही योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता लाकर पंचायत स्तर पर जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों को विश्वास में लिया जाए। उन्होंने अंत में कहा कि गरीबों के निवाले पर डाका डालने वाली इस सरकार को छत्तीसगढ़ की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

online Booking:-www.tripuryatra.com

स्पेशल ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)
कोरबा, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से होकर
रामेश्वरम् धाम यात्रा
श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरूपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री मीनाक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी
राशि :- स्लीपर 16,500/-, 3 एसी-27,500/-, 2 एसी 32,500/- (+5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
संपर्क करें:-7354-411411